E-mail. laxmanbisht909@gmail.com

पीआरजीआई से प्रदत्त पंजीयन संख्या–UAHIN/26/A1148

मासिक हिंदी

उत्तराखंड अपडेट

❖ वर्ष : 1 ❖अंक : 3 चम्पावत ❖ बुधवार, 6 मई 2026 ❖ मूल्य 5.00 रुपये ❖ पृष्ठ: 8

चारधाम यात्रा: गंगोत्री-यमुनोत्री के लिए जारी एडवाइजरी

बारिश और आंधी-तूफान की संभावना देख प्रशासन ने की यात्रियों से सतर्क रहने की अपील

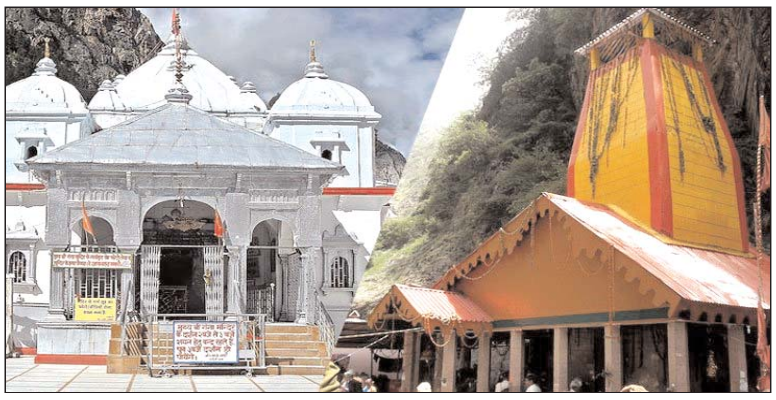

उत्तरकाशी/देहरादून। चारधाम यात्रा के बीच बदलते मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन ने गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए विशेष मौसम परामर्श जारी किया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगामी सप्ताह में दोनों धामों के क्षेत्रों में बादल छाए रहने, हल्की वर्षा और आंधी–तूफान की संभावना बनी हुई है। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले मौसम की ताजा जानकारी अवश्य प्राप्त करें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। वर्षा के दौरान खुले स्थानों, ढलानों और नदी–नालों के किनारे रुकने से बचें तथा केवल पंजीकृत मार्गों और अधिकृत सुविधाओं का ही उपयोग करें। एडवाइजरी में कहा गया है कि तीर्थयात्री अपने साथ रेनकोट, छाता, गर्म कपड़े और आवश्यक दवाइयां अवश्य रखें। साथ ही, पैदल मार्ग पर समूह में यात्रा करें और किसी भी आपात स्थिति में नजदीकी सहायता केंद्र या कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यात्रा मार्ग पर तैनात पुलिस, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीमों के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। अफवाहों से दूर रहकर केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई है।

चारधाम यात्रा के दौरान मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं, वहीं श्रद्धालुओं से भी सावधानी बरतने की अपील की गई है। गौरतलब है कि उत्तराखंड में लगातार पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव हो रहा है ऐसे में पर्वतीय जिलों में किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए प्रशासन व मौसम विभाग नजर रखे हुए हैं।

लिपुलेख दर्रा फिर खुलेगा, भारत-चीन व्यापार को मिलेगी नई रफ्तार

जून से बहाल होगी पारंपरिक व्यापार व्यवस्था,छह साल बाद खुल रहा सीमांत मार्ग,उत्तराखंड के सीमावर्ती इलाकों में बढ़ेगी आर्थिक गतिविधि

पिथौरागढ़/देहरादून। उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों के लिए एक बड़ी और बहुप्रतीक्षित खबर सामने आई है। से भारत और चीन के बीच पारंपरिक व्यापार जून माह से पुनः शुरू होने जा रहा है। करीब छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस ऐतिहासिक व्यापारिक मार्ग के खुलने से सीमा के पास बसे हजारों परिवारों की आजीविका को नई संजीवनी मिलने की उम्मीद है।

कोरोना महामारी और भारत–चीन के बीच उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों के कारण यह व्यापार पूरी तरह बंद हो गया था। इसके चलते सीमांत क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ गई थीं और स्थानीय व्यापारियों, किसानों तथा भोटिया समुदाय जैसे पारंपरिक व्यापारिक समूहों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अब जब हालात सामान्य हो रहे हैं, तो इस मार्ग के फिर से खुलने को एक सकारात्मक और दूरगामी कदम के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यापार भले ही प्रत्यक्ष रूप से बहुत बड़े मौद्रिक स्तर पर न हो, लेकिन इसकी सामरिक और सामाजिक महत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहले इस मार्ग से दो से पांच करोड़ रुपये तक का वार्षिक व्यापार होता रहा है, लेकिन यदि इसकी पूरी क्षमता का उपयोग किया जाए तो यह आंकड़ा सौ करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

लिपुलेख दर्रे के माध्यम से उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों से कपड़े, घी–तेल, मसाले और अनाज जैसी आवश्यक वस्तुओं का निर्यात किया जाता है। वहीं तिब्बत क्षेत्र से ऊन, कच्चा रेशम, छिर्बी और सुहागा जैसी पारंपरिक वस्तुओं का आयात होता है। यह आदान–प्रदान केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक और सामाजिक कड़ियों को भी मजबूत करता है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस व्यापार के पुनः शुरू होने से न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सीमावर्ती गांवों में पलायन की समस्या को रोकने में भी यह पहल सहायक साबित हो सकती है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान भू–राजनीतिक परिदृश्य में भारत और चीन दोनों ही देश आपसी संबंधों को स्थिर और संतुलित बनाए रखने की दिशा में प्रयासरत हैं। ऐसे में लिपुलेख दर्रे से व्यापार की बहाली विश्वास निर्माण (कॉन्फिडेंस बिल्डिंग) के एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में उभर सकती है।

सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की डिस्ट्रीब्यूशन लाइन की सर्वे शुरू

लोहाघाट। बहु प्रतीक्षित सरयू लिफ्ट पेयजल योजना निर्माण की कार्रवाई शुरू होने जा रही है। जल निगम विभाग के द्वारा लोहाघाट नगर में डिस्ट्रीब्यूशन लाइन के लिए सर्वे का कार्य शुरू कर दिया गया है जिसके तहत जल निगम की टेक्निकल टीम पूरे नगर की सर्वे कर रही है। पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा ने बताया सरयू लिफ्ट पेयजल योजना निर्माण की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। जल्द योजना स्थल पर भूमि पूजन कर कार्य शुरू किया जाएगा तथा नगर में डिस्ट्रीब्यूशन लाइन के लिए भी जल निगम के द्वारा सर्वे कार्य शुरू किया जा चुका है। पालिका अध्यक्ष ने कहा जल्द योजना पर कार्य शुरू होने जा रहा है। जल्द ही सरयू का पानी नगर के प्रत्येक घर में पहुंचेगा। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री की विकासवादी नीति के चलते पूरे जिले मे विभिन्न विकास कार्य चल रहे वह सरयू लिफ्ट पेयजल योजना निर्माण के लिए नगर की जनता की ओर से मुख्यमंत्री धामी को धन्यवाद देते है।

अगले 24 घंटों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

चंपावत। मौसम विभाग के द्वारा अगले 24 घंटो के लिए जनपद अल्मोड़ा, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौडी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल में कुछ स्थानों पर यथा – मसूरी, चकराता, धनोल्टी, नरेंद्रनगर, घनसाली, देवप्रयाग, धुमाकोट, रानीखेत, हल्द्वानी, टनकपुर तथा आस पास के क्षेत्रो में येलो अलर्ट जारी किया गया है । जहा बिजली कड़कने के साथ आंधी आने की संभावना है तेज से बहुत तेज बारिश होगी तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति 40–50 किमी प्रति घंटा हो सकती है। चंपावत जिला प्रशासन ने समस्त जनता को देखते हुए सुरक्षित स्थानों में रहने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क में ट्रैकिंग के लिए अब ऑनलाइन पंजीकरण

15 मई से होगी पोर्टल में पंजीकरण की प्रक्रिया

जोशीमठ/चमोली। नन्दा देवी नेशनल पार्क के अंतर्गत आने वाले ट्रैकिंग रूटों पर जाने के लिए अब पर्यटकों और ट्रैकरों को विभागीय कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। पार्क प्रशासन ने ट्रैकिंग अनुमति के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। विभाग के अनुसार 15 मई से पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

अब तक ट्रैकिंग के लिए अनुमति प्राप्त करने हेतु आवेदकों को ऑफलाइन माध्यम से कार्यालय में आवेदन करना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पर्यटक और टूर ऑपरेटर घर बैठे ही ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे,

जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। पार्क प्रशासन के मुताबिक, इस पहल का लाभ विशेष रूप से पर्यटन सीजन में आने वाले हजारों ट्रैकरों को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि विभाग ने पिछले वर्ष वैली आफ फ्लावर्स नेशनल पार्क के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली शुरू की थी, जिसे इस वर्ष पूरे नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र में विस्तारित किया जा रहा है। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र के अंतर्गत कई प्रसिद्ध ट्रैकिंग रूट शामिल हैं, जिनमें प्रमुख रूप से क्वांरी पास ट्रैक, द्रोणागिरी ट्रैक, सतोपंथ ट्रैक, कागभुसंडी ट्रैक, फूलों की घाटी और चेनाप घाटी शामिल हैं। इन रूटों में कुछ केवल ग्रीष्मकाल में संचालित होते हैं, जबकि कुछ सर्दियों में भी खुले रहते हैं।

पार्क प्रशासन के डीएफओ अभिमन्यु ने बताया कि ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया जा रहा है और 15 मई से इसे शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही ट्रैकिंग के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग के साथ समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि फूलों की घाटी मार्ग पर वैली गेट के पास एक नया व्यू प्वाइंट विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का बेहतर अनुभव कर सकेंगे। इसके अलावा, 15 मई से मार्ग सुधार कार्य भी शुरू किया जाएगा।

होनहार राहुल का राजीव नवोदय विद्यालय में चयन

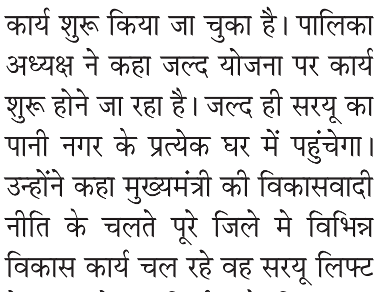

बाराकोट। सरस्वती शिशु मंदिर बाराकोट के होनहार छात्र राहुल नाथ पुत्र महेंद्र नाथ माता दीपा देवी ने जिले में तीसरी रैंक का हासिल कर वर्ष 2026 –2027 के राजीव नवोदय विद्यालय लोहाघाट कक्षा 6 की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। राहुल के चयन पर विद्यालय के प्रबन्धक नन्दा बल्लभ बगौली, अध्यक्ष दिवान नाथ गोस्वामी, कोषाध्यक्ष संजय वर्मा विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल सिंह चौधरी, आचार्य राजेंद्र पाटनी, बेनी प्रसाद भट्ट, प्रकाश जोशी, धीरजा वर्मा, सुमीत कुमार, आकांक्षा जोशी आदि ने खुशी जताई।

सम्पादकीय

लोकतंत्र में मजबूत होती सत्ता, कमजोर होता संतुलन

भारतीय लोकतंत्र आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहाँ राजनीतिक शक्ति का संतुलन धीरे-धीरे एक ध्रुव की ओर केंद्रित होता दिखाई दे रहा है। भाजपा का लगातार विस्तार, चुनाव दर चुनाव उसकी बढ़ती स्वीकार्यता और सुदृढ़ संगठनात्मक ढांचा यह संकेत देते हैं कि देश में एक मजबूत केंद्रीय नेतृत्व के प्रति भरोसा कायम है। इसके विपरीत, विपक्ष की स्थिति बिखराव, नेतृत्व संकट और रणनीतिक अस्पष्टता से घिरी हुई है, जो लोकतांत्रिक संतुलन के लिए गंभीर प्रश्न खड़े करती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा ने भारतीय राजनीति के तौर-तरीकों को एक नई दिशा दी है। यह केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित करने की क्षमता भी इसमें शामिल है। राष्ट्रवाद, विकास, कल्याणकारी योजनाओं और मजबूत नेतृत्व की छवि इन सभी तत्वों का संयोजन भाजपा को व्यापक जनसमर्थन दिलाने में सफल रहा है। इसके साथ ही जैसे वैचारिक और संगठनात्मक सहयोगियों की भूमिका ने पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत किया है। हालिया राजनीतिक परिदृश्य में बंगाल एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर उभरा है। यह राज्य लंबे समय तक वैचारिक और क्षेत्रीय राजनीति का गढ़ रहा है, जहाँ उसकी नेता का मजबूत प्रभाव रहा है। इसके बावजूद, हाल के चुनावों और राजनीतिक घटनाक्रमों में भाजपा ने जिस प्रकार अपने संगठन को विस्तार दिया, वोट शेयर बढ़ाया और खुद को एक प्रमुख चुनौतीकर्ता के रूप में स्थापित किया, वह इस व्यापक राष्ट्रीय प्रवृत्ति का संकेत है कि पार्टी अब केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह गई है। बंगाल में भाजपा की यह बढ़त भले ही सत्ता परिवर्तन में तब्दील न हुई हो, लेकिन यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पार्टी उन क्षेत्रों में भी अपनी पैठ बना रही है, जहाँ पहले उसका अस्तित्व नगण्य था। यह केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति, निरंतर राजनीतिक निवेश और जमीनी स्तर पर कार्य का परिणाम है। यही कारण है कि भाजपा आज देश के अधिकांश हिस्सों में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। इसके विपरीत, विपक्ष की स्थिति लगातार चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। , जो कभी राष्ट्रीय राजनीति की धुरी हुआ करती थी, आज पुनर्निर्माण के दौर से गुजर रही है। हलाकि के नेतृत्व में कुछ प्रयास अवश्य हुए हैं चाहे वह जनसंपर्क यात्राएं हों या सरकार के खिलाफ मुद्दों को उठाना लेकिन इन प्रयासों को एक सुसंगत और प्रभावी राजनीतिक विकल्प में बदलने में विपक्ष को अभी भी सफलता नहीं मिल पाई है। विपक्षी दलों के बीच आपसी मतभेद, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं और नेतृत्व को लेकर असमंजस भी एक बड़ी बाधा है। गठबंधन की राजनीति कई बार केवल चुनावी गणित तक सीमित रह जाती है, जबकि एक साझा विचारधारा और स्पष्ट नीति-ढांचा विकसित नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप, मतदाताओं के सामने एक ठोस विकल्प प्रस्तुत नहीं हो पाता, जिससे सत्तारूढ़ दल को स्वाभाविक बढ़त मिलती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल एक शक्तिशाली सरकार पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सशक्त और सक्रिय विपक्ष पर भी समान रूप से आधारित होती है। जब विपक्ष कमजोर होता है, तो नीतिगत बहस, संसदीय संवाद और सरकार की जवाबदेही प्रभावित होती है। यह स्थिति दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं की सेहत के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऐसे समय में विपक्ष के लिए आत्ममंथन अनिवार्य हो जाता है। उसे केवल सरकार की आलोचना तक सीमित रहने के बजाय एक वैकल्पिक दृष्टिकोण, ठोस नीतियां और विश्वसनीय नेतृत्व प्रस्तुत करना होगा। वहीं सत्ता पक्ष के लिए भी यह आवश्यक है कि वह अपनी ताकत के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों जैसे असहमति का सम्मान, संस्थाओं की स्वतंत्रता और संवाद की परंपरा को बनाए रखे। बंगाल से लेकर देश के अन्य हिस्सों तक जो राजनीतिक संकेत उभर रहे हैं, वे स्पष्ट रूप से यह बताते हैं कि भारतीय राजनीति एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। इस युग में वही दल टिकेगा, जो न केवल संगठनात्मक रूप से मजबूत होगा, बल्कि वैचारिक स्पष्टता और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता भी दिखाएगा। लोकतंत्र का असली बल संतुलन में निहित होता है। यदि यह संतुलन कमजोर पड़ता है, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था भी असंतुलित हो जाती है।

राष्ट्रीय जनगणना कार्य में तेजी लाएं, समयबद्ध लक्ष्य हर हाल में हो पूरा : डीएम

चंपावत। जनपद चम्पावत में संचालित राष्ट्रीय महत्व की जनगणना के द्वितीय चरण को प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी कार्यालय में मंगलवार को एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में अवगत कराया गया कि जनगणना का द्वितीय चरण 25 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो चुका है, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षित प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर नागरिकों से संबंधित आवश्यक सूचनाओं का संकलन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अभियान को 24 मई 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।जिलाधिकारी ने वर्तमान प्रगति, जो कि लगभग 20 प्रतिशत है, पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसे शीघ्र गति प्रदान करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह कार्य न केवल प्रशासनिक दायित्व है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला भी है, अतः इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपद की सभी तहसीलों में कार्यरत कुल 370 प्रगणकों एवं 62 सुपरवाइजरों के साथ-साथ नगर पालिका क्षेत्रों में नियुक्त 89 प्रगणकों एवं 19 सुपरवाइजरों की दैनिक प्रगति का नियमित रूप से आंकलन एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्तर पर कार्य की सतत निगरानी से ही निर्धारित समयावधि में लक्ष्य की प्राप्ति संभव है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने सभी उपरजीलाधिकारियों, तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्र में जनगणना कार्य की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करने तथा प्रगणकों व सुपरवाइजरों के कार्यों का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी कार्य में ढिलाई या लापरवाही सामने आए, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों चाहे वे तहसीलदार, सुपरवाइजर, प्रगणक या अन्य संबंधित कार्मिक हों ने जनगणना जैसे राष्ट्रीय निर्माण कार्य में लापरवाही एवं कोताही के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर निलंबन (सस्पेंशन) जैसे कदम भी उठाए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जनगणना के आंकड़े भविष्य की नीतियों, योजनाओं एवं विकास कार्यों की आधारशिला होते हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक का इसमें सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

महिलाओं की भव्य कलश यात्रा के साथ गोलज्यू महोत्सव का शुभारंभ

मौसम खराब होने से मुख्यमंत्री का दौरा हुआ रद्द, खराब मौसम ने रंग में डाला भंग

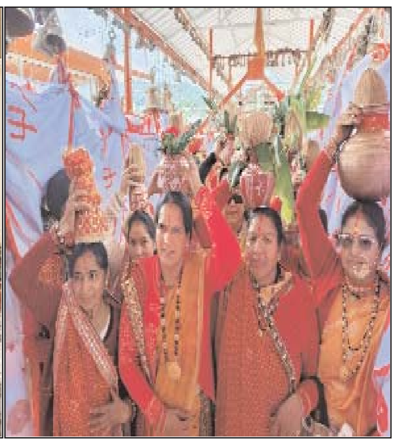

चंपावत। नगर पालिका चंपावत के द्वारा आयोजित 10 दिवसीय गोलज्यू महोत्सव का आज सोमवार को महिलाओं के द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हो गया है। आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा महोत्सव का शुभारंभ किया जाना था जिसके लिए पूरी तैयारी की जा चुकी थी। पर सुबह से हो रही लगातार बारिश के चलते मुख्यमंत्री को अपने कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सोमवार को पालिका अध्यक्ष प्रेम पांडे के दिशा निर्देश पर पालिका कार्यालय से गोलज्यू मंदिर तक महिलाओं के द्वारा ढोल नगाड़ों व छोलियां नर्तकों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मंदिर में भगवान गोलू देव की पूजा अर्चना के साथ ही 10 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। हालांकि बारिश से गौरल चौड़ मैदान में कीचड़ होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे ने बताया लगभग 3 वर्ष के बाद पालिका के द्वारा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा महोत्सव में जनता के मनोरंजन के लिए झूले चरखो के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों के साथ-साथ अन्य राज्यों से आए व्यापारियों के द्वारा विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई जा रही हैं। तथा रात्रि में स्टा नाइट का आयोजन भी किया जा रहा है।

उन्होंने जनता से अधिक से अधिक संख्या में आकर महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने बताया आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा महोत्सव का शुभारंभ किया जाना था पर वर्षा के कारण मुख्यमंत्री का दौरा रद्द हो गया। पालिका अध्यक्ष ने कहा जल्द मुख्यमंत्री महोत्सव में प्रतिभाग करेंगे।नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी भरत त्रिपाठी ने बताया बारिश की वजह से कार्यक्रम में व्यवधान पड़ा है। स्टार नाइट के कार्यक्रम में परिवर्तन किया गया है जिसकी सूचना जल्द जारी की जाएगी। वही महोत्सव को लेकर क्षेत्रीय जनता में काफी उत्साह है पर मौसम के बिगड़ते मिजाज ने पहले दिन रंग में भंग डाला है।

उद्घाटन अवसर पर दर्जा मंत्री श्याम नारायण पांडे, मुकेश महराना, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, विकास शाह, कैलाश अधिकारी, सूरज प्रहरी सहित समस्त वार्ड सभासद मौजूद रहे।

पाताल भुवनेश्वर की तरह तरमोली गांव में है प्राचीन गुफा

दूरदराज क्षेत्रो से पूजा अर्चना करने पहुंचते है भक्त, ग्रामीणों ने एकांत स्थान पर होने से जंगली जानवरों के भय से गुफा का मुहाना किया बंद

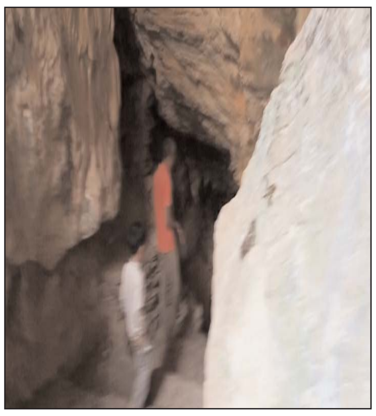

बागेश्वर। पिथौरागढ़ जिले के पाताल भुवनेश्वर की तरह काफलीगैर तहसील के तरमोली गांव में एक पौराणिक गुफा स्थित है। गुफा में पाताल भुवनेश्वर की तरह सैकड़ो प्रकार के देवी देवताओं और शेषनाग की तरह प्राचीन कलाकृतियां बनी हुई है।कई लोग इसे पाताल भुवनेश्वर के नाम से तो कई शिवालय गुफा के नाम से जानते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि पूर्वजों के अनुसार गुफा काफी लंबी है,गुफा अंदर से काफी लंबी है, गुफा में पाताल भुवनेश्वर की तरह देवी देवताओं की प्रतिमाएं विद्यमान है। गुफा में पुरातन काल की कलाकृतियां मौजूद हैं। ग्रामीण बताते हैं कि गुफा में पूर्व में एक सिद्धि बाबा यहां पहुंचे थे, बाबा ध्यान मग्न होते हुए कुछ समय बाद अपने सेवक से गुफा के अंदर होते हुए गुप्त द्वार से तीर्थ यात्रा पर जाते हुए मोक्ष प्राप्त करने की बात कहकर गुफा में अकेले ही जाने की बात कह गए थे, जिसके बाद उनके सेवक को सपने में सिद्धि बाबा ने गुफा के अंदर से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होने और गुफा मार्ग से हरि के द्वार तक पहुंचने की बात बताई गई थी।ग्रामीण बताते है कि कुछ दशक वर्ष पूर्व एक योगी पुनः गुफा में पहुंचे थे, गुफा में स्थित लिंगो से दूध की तरह धार टपकती थी, पर योगी बाबा जी द्वारा टपकती दुग्ध धारा से खीर बनाने की कोशिश के बाद वहां टपकने वाली दुग्ध धार बंद हो गई थी। जिसके बाद बाबा भी वहां से चले गए। जहां अब भी हमेशा यहाँ शिवलिंग के आसपास पानी से लिंग के भीगे रहने की अनुभूति देखी जा सकती है।एकांत कठोर बड़े चट्टानों के बीच गुफा स्थित होने से ग्रामीण जंगली जानवरों के भय के चलते यहां आने से डरते थे। गुफा के पास सड़क निर्माण होने के बाद लोग यहां पूजा अर्चना करने लगे। यहां लोगों ने पूजा अर्चना शुरू कर दी। एक बार एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति द्वारा यहाँ स्थित मूल शिव लिंग को खंडित कर दिया था। जिसके बाद ग्रामीणों ने पुनः यहां शिव लिंग की स्थापना की।मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां आए दिन दूरदराज क्षेत्रो के लोग पूजा अर्चना करने यहाँ पहुंचते हैं। वहीं गुफा के मुख्यद्वार पर ग्राम पंचायत द्वारा गेट निर्माण किया जा रहा था पर गेट निर्माण के दौरान ग्रामीणों को देव दर्शन हुए और वहां गेट के निर्माण को रोक दिया गया था। एक बार ग्रामीणों को यहां गुलदार की दहाड़ सुनाई दी। लोगों ने भय के चलते गुफा के अंदर के हिस्से के छोटे मुहाने को ढक दिया जिससे गुफा के अंदर का शिरा बंद हो गया।

ग्रामीण गोविन्द सिंह, भुबन सिंह,कृष्ण सिंह नरेंद्र सिंह, मुन्ना मेहता, ने बताया कि गुफा एतिहासिकहोने के साथ साथ अंदर से बहुत लंबी दूरी तक है। ग्रामीणों ने बताया कि गुफा के मुहाने को पुनः खोलकर इसका वैज्ञानिक अध्धयन पुरातत्व विभाग द्वारा किया जाएगा तो यह गुफा पाताल भुवनेश्वर की तरह इतिहास के पन्नो में दर्ज हो जाएगी। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से गुफा को धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाने हेतु एतिहासिक शिवालयी गुफा का पुरातत्व विभाग से वैज्ञानिक तरीके से सर्वे कराए जाने की अपील की है।

लोहाघाट विकास संघर्ष समिति की नगर की समस्याओं को लेकर हुई अहम बैठक लिए

लोहाघाट। लोहाघाट विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष विपिन गोरखा की अध्यक्षता एवं महासचिव लोकेश पांडे के संचालन में नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। समिति अध्यक्ष विपिन गोरखा ने जानकारी देते हुए बताया बैठक में सरयू लिफ्ट पेयजल योजना को लेकर जो आश्वासन दिया गया था उसमें क्या प्रगति हुई तथा नगर मे संभावित जल संकट को लेकर प्रशासन की क्या तैयारियां हैं इसको लेकर समिति स्थलीय निरीक्षण करेगी।लोहावती नदी को साफ करने के लिए समिति द्वारा जिलाधिकारी महोदय से हुई वार्ता के बाद जो धनराशि शासन द्वारा अवमुक्त की गई है उस पर आगे क्या कार्यवाही की जानी है। कहा संघर्ष समिति के अनुरोध पर जिलाधिकारी चम्पावत के सहयोग स्वीकृत चिड़ियाघर के निर्माण को धरमघर मे करवाने को लेकर शीघ्र डी0एफ0ओ0 चंपावत से मुलाकात की जाएगी। तथा लोहाघाट नगर पालिका परिषद कार्यालय के समीप बनी कार पार्किंग के संबंध में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी द्वारा नगर पालिका बोर्ड एवं संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के बीच वार्ता कराने का जो प्रस्ताव दिया गया था उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है अतः समिति इस मुद्दे पर पालिका कार्यालय में शीघ्र धरने पर बैठेगी। बैठक में रमेश बिष्ट ,राज किशोर शाह , भुवन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

अग्निवीर भर्ती देशहित में नहीं वापस ले सरकार कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

4 मई से शुरू यात्रा 5 को चंपावत पहुंची, 9 मई को देहरादून में होगा समापन

चंपावत में हस्ताक्षर अभियान

चंपावत। कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत्त) राम रतन नेगी ने कहा कि अग्निपथ योजना भर्ती नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य के लिए खतरनाक है। पार्टी के पूर्व सैनिक विभाग द्वारा चंपावत मोटर स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अल्पकालीन सेवा वाला सैनिक रेग्युलर सैनिक की तरह देश सेवा नहीं कर सकता है।

उनका प्रशिक्षण भी कम होता है, सुविधाएं भी कम और कुछ हद तक भेदभाव का भी खतरा है। फौज की संस्तुति के बगैर केंद्र सरकार ने सेना के ऊपर थोपा है। इससे कहीं न कहीं सैन्य शक्ति कमजोर हो रही है और देश के लिए खतरा भी है। इस योजना ने रोजगार खत्म कर दिए गए हैं। पहले 80 हजार भर्ती हर साल होती थी, अब 40 हजार भर्ती होती हैं, लेकिन इनमें से भी महज 25 प्रतिशत स्थाई होंगे। हर साल रिक्तियां बढ़ेंगी। कर्नल नेगी ने कहा कि इन सब कारणों से अग्निपथ योजना को बंद किया जाए और पुरानी प्रथा को शुरू किया जाए।कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग की देहरादून से 4 मई से शुरू यात्रा कल पिथौरागढ़ में अभियान चलाएगी। यात्रा का समापन 9 मई को देहरादून में होगा। इससे पूर्व आज मंगलवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल की अध्यक्षता में गांधी चौक में हुए कार्यक्रम में बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। अग्निपथ योजना के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया।

बाद में यहां हुई सभा में वक्ताओं ने अग्निपथ योजना की कई खामियों को गिनाते हुए वापस लेने की मांग की। कहा कि सैनिक बाहुल्य क्षेत्र में इस योजना की कमियों से आम लोगों को जानकारी दी जाएगी। बैठक में पूर्व दर्जा मंत्री निर्मला गहतोड़ी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विमला सजवान, डॉ. वीके जोशी, आनंद सिंह महर, एडवोकेट निर्मल तड़ागी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

ये है अग्निपथ योजना

-अग्निपथ योजना भारत सरकार ने 14 जून 2022 को लागू की थी।

-थल सेना, नौसेना, वायुसेना में युवाओं की भर्ती के लिए शुरू की गई इस नई नीति के तहत साढ़े 17 साल से 21 वर्ष के युवाओं को 4 साल के लिए

-अग्निवीर के रूप में भर्ती किया जाता है।

-सेवा समाप्ति पर करीब 11.70 लाख का सेवा निधि' पैकेज (टैक्स-फ्री) मिलता है।

-4 साल बाद 25 प्रतिशत अग्निवीरों को स्थायी कैडर में शामिल किया जाएगा।जबकि 75 प्रतिशत सेवा से बाहर किए जाते हैं।

हथियारों के बल पर नाबालिग से गैंगरेप के आरोप

पुलिस जुटी जांच में मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार

चंपावत । दूरस्थ सल्ली क्षेत्र से हथियारों के बल पर 16 वर्षीय नाबालिग से गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसमें क्षेत्र के ही तीन लोगों पर आरोप लगे हैं। नाबालिग के पिता ने चंपावत कोतवाली में तीन लोगों पर आरोप लगाते हुए चंपावत कोतवाली में घटना की तहरीर दी है तथा पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। तहरीर में पिता ने बताया है में एक बीमार व्यक्ति हूं मेरा इलाज करवाने हेतु मेरी बेटी मुझे अपने गांव से चंपावत लाई थी।

कल 5 मई 2026 को मेरी बेटी जिसकी उम्र 16 वर्ष है शाम को घर वापस नहीं लौटी। मैंने फोन मे पूछा तो उसने बताया लगभग दोपहर 2:30 बजे एक युवक उसे शादी में सल्ली ले गया है। जो उससे पिछले कुछ समय से बात करता था। तहरीर में पिता ने बताया जब देर रात तक उनकी बेटी घर वापस नहीं लौटी तो उनके द्वारा बेटी को कॉल किया गया लेकिन उसका फोन नहीं लगा। देर रात 1:28 पर उनकी बेटी ने उन्हें कॉल की इसके तुरंत बाद उसका फोन स्विच ऑफ आने लगा। तहरीर में बताया गया है स्थानीय लोगों और पुलिस की खोज बीन के बाद सुबह 4:00 बजे उनकी नाबालिग बेटी एक कमरे में बधी हुई और नग्न अवस्था में मिली। पूछताछ में उनकी बेटी ने बताया सल्ली निवासी तीन लोगों के द्वारा उसके साथ जबरन सामूहिक दुष्कर्म किया गया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

तहरीर में बताया गया है आरोपियों ने धारदार हथियार चाकू व बसुला उनकी बेटी के गले में रखकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए ।जिसके बाद तीनों आरोपियों ने उनकी नाबालिग बेटी को रस्सी से बाध कर नग्न अवस्था में कमरे में ताला लगाकर बंद कर दिया और मौके से फरार हो गए। तहरीर में नाबालिग के पिता ने तीन लोगों पर उनकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पुलिस से तीनों आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग चंपावत कोतवाली पहुंचे हैं तथा आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। वही मामले में कांग्रेस महासचिव आनंद महरा ने गहरी नाराजगी जताते हुए कहा भाजपा शासन में महिलाए व बेटिया सुरक्षित नहीं है ।उन्होंने चंपावत पुलिस से तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामला पूरे क्षेत्र में चर्चाओं का विषय बना हुआ है।

इस घटना पर गहरी नाराजगी जता रहे है। मामले में चंपावत पुलिस जांच में जुट गई है । चंपावत कोतवाल बी0एस0 बिष्ट ने बताया पीडित़ि के पिता के द्वारा कोतवाली में तहरीर दी गई है। पुलिस के द्वारा नाबालिग का मेडिकल कराया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया मामले की जांच महिला दरोगा के द्वारा की जा रही है। फिलहाल आरोप काफी गंभीर है घटना में कितनी सच्चाई है इसकी जानकारी मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगी।

कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल दवा

चम्पावत। जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला अधिकारी ने की, जिसमें 7 मई को जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित कर 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर गंभीर प्रभाव डालता है।

इसे रोकने के लिए जिले के सभी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से बच्चों को एल्बेंडाजोल दवा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से इस अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा।सीएमओ डॉ. देवेश चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से सुरक्षित रखना है। 7 मई को जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।बैठक की अध्यक्षता कर रहे अपर जिला अधिकारी ने संबंधित विभागों को अभियान को पूरी गंभीरता और समन्वय के साथ संचालित करने के निर्देश दिए।

अपर जिला अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें ताकि जिले का कोई भी बच्चा इस दवा से वंचित न रहे और कार्यक्रम शत-प्रतिशत सफल हो।

इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. एच.एस. हयांकी, डॉ. विराज राठी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बलवीर सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव पाण्डेय, प्रेम बल्लभ भट्ट, जगदीश जोशी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर संजय बोहरा, राकेश पंत, अमर चंद, विनोद वोहरा, आशा कॉर्डिनेटर अनिता राय, निर्मला पुनेठा, सुनिता जोशी, पुष्पा जोशी और महिला एवं बाल विकास विभाग की पुष्पा चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरुकुलम एकेडमी में मानव शरीर पर कार्यशाला का आयोजन

लोहाघाट। गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल खुना में हिमवत्स साइंस आउटरीच प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मानव शरीर विज्ञान के विषय में जानकारी दी गई।

गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल खूना आयोजित कार्यशाला में कक्षा 8 के 25 छात्रा- छात्राएं शामिल रही। कार्यशाला में छात्र छात्राओं ने कार्डबोर्ड की सहायता से मानव शरीर के 17 आंतरिक अंगों के मॉडल तैयार किए। साथ ही, उन्हें इन अंगों की संरचना एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिससे यह सत्र अत्यंत रोचक एवं ज्ञानवर्धक रहा।कार्यशाला का संचालन पंकज सिंह बोहरा हिमवत्स रिसोर्स पर्सन ने किया। पवन पाण्डेय का विशेष सहयोग किया। विद्यालय के प्रबंधक राजेश पाण्डेय ने इस तरह की कार्यशाला को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यकत बताया।इस अवसर पर चंद्रभानु गहतोड़ी, मनमोहन गहतोड़ी, अमित तिवारी, महेंद्र जोशी, रियाड़ अहमद अंकित देव, शशांक पाण्डेय एवं काजल बिष्ट इत्यादि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर चेतराम फिर करेंगे धरना

लोहाघाट । अपनी विभिन्न मांगों को लेकर लगभग 104 बार धरना कर चुके लोहाघाट के गंगनोला निवासी बुजुर्ग चेतराम ने एक बार फिर मंगलवार को जिलाधिकारी को पत्र लिखकर उनकी मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है। पत्र में चेतराम ने चेतावनी दी है कि आज से 25 दिन के भीतर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो वह जिलाधिकारी कार्यालय या लोक निर्माण विभाग कार्यालय लोहाघाट में अनिश्चितकालीन धरने में बैठ जाएंगे तथा मांग पूरी न होने पर वह किसी को बिना बताए आत्महत्या भी कर सकते हैं। बुजुर्ग चेतराम ने कहा उन्हें बरसों से बार-बार गुमराह किया जा रहा है जिलाधिकारी के आदेशों के बावजूद भी उनकी सुध नहीं ली जा रही है ।जिस कारण वह काफी परेशान हो चुके हैं और अब वह आत्मघाती कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा वह वर्ष 1993 में लोक निर्माण विभाग में मस्टरोल के तहत राज मिस्त्री के तौर पर कार्यरत थे। वर्ष 1997 में लोहाघाट डिग्री कॉलेज भवन निर्माण के दौरान वह छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बुजुर्ग चेतराम ने कहा इलाज में उनका काफी पैसा खर्च हुआ था तथा उनकी किडनी में भी गंभीर चोट आई थी ।पर लोक निर्माण विभाग के द्वारा ना तो उन्हें मुआवजा दिया गया ना ही उनके इलाज का कोई खर्चा। उन्होंने कहा उनका स्वास्थ्य अभी भी खराब रहता है और विभाग के द्वारा उन्हें वर्षों से गुमराह किया जा रहा है अब उनके पास उपचार करने के लिए पैसा तक नहीं है। कई बार आंदोलन करने के बावजूद उन्हें गुमराह कर झूठे आश्वासन दिए गए। उन्होंने कहा वह गंभीर रूप से बीमार है इलाज करने को पैसा नहीं है अगर इधर-उधर आने जाने के दौरान उन्हें कुछ भी होता है तो उसकी जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग व प्रशासन की होगी। बुजुर्ग चेतराम ने जिलाधिकारी चंपावत से वर्षों से लंबित पड़ी उनकी समस्या का समाधान करने की गुहार लगाई है। अब देखना है क्या इस बार बुजुर्ग चेतराम की समस्या का समाधान हो पाता है या बुजुर्ग 105 वी बार धरना देने को मजबूर होते हैं। उनके द्वारा गुपचुप आत्महत्या करने की चेतावनी भी दी गई है।

चार दिन से अंधेरे में रातें काटने को मजबूर ग्रामीण

लोहाघाट। ब्लॉक के सीमांत दिगालीचौड़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत नाकोट खोलिया के ग्रामीण विद्युत व्यवस्था बाधित होने से पिछले 4 दिन से अंधेरे में रात काटने को मजबूर है ।जिस कारण ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह ने बताया उनके व ग्रामीणों के द्वारा बार बार विद्युत विभाग के अधिकारियों को फोन किया गया पर उनके द्वारा फ़ोन रिसीव नहीं किया गया । जिस कारण ग्रामीणों में विद्युत विभाग के खिलाफ गहरी नाराजगी है । ग्राम प्रधान ने बताया ग्रामीणों ने एक महीने का बिल जमा करने से मना कर दिया है। ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह ने बताया चार दिन पूर्व आई आंधी से गांव की विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी पर विभाग के द्वारा अभी तक विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं की गई है ।जिस कारण ग्रामीणों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई में बाधा पड़ रही है तथा ग्रामीण मोबाइल चार्ज करने के लिए दूसरे गांव जा रहे है। जिस कारण ग्रामीणों में गहरी नाराजगी है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से जल्द से जल्द विद्युत व्यवस्था सुचारु करने की मांग की है। नाराजगी जताने में ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह, ललित मोहन ,मोहित भट्ट, सचिन भट्ट, कैलाश चंद्र ,मोहन चंद्र ,प्रकाश चन्द्र आदि मोजूद रहे।

देहरादून-मसूरी मार्ग पर नए डबल लेन पुल का शिलान्यास

देहरादून। देहरादून-मसूरी मोटर मार्ग पर शिव मंदिर के समीप क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर बनने वाले नए स्थायी डबल लेन पुल के निर्माण कार्य का मंगलवार को उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी द्वारा विधिवत शिलान्यास किया गया।

करीब 12.17 करोड़ की लागत से बनने वाले इस पुल को क्षेत्र की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है। इस अवसर पर मंत्री ने सेतु निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया।

मंत्री गणेश जोशी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने कहा कि देहरादून-मसूरी मार्ग न केवल पर्यटन बल्कि स्थानीय आवागमन के लिए भी बेहद अहम है और यह पुल मसूरी की लाइफलाइन के रूप में कार्य करता है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में आई आपदा के दौरान इस स्थान पर स्थित पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद आवागमन बनाए रखने के लिए अस्थायी रूप से वैली ब्रिज का निर्माण किया गया, जो वर्तमान में उपयोग में है।

लोक निर्माण विभाग के ईई राजेश कुमार के अनुसार पुल 60 मीटर स्पान का होगा डबल लेन स्टील बॉक्स सेतु के रूप में निर्माण 7.50 मीटर चौड़ा कैरिजवे (दो लेन) दोनों ओर 3-3 मीटर फुटपाथ,पाइल फाउंडेशन, आरसीसी एबटमेंट, स्टील गर्डर संरचना,इस परियोजना की कुल लागत 12.17 करोड़ निर्धारित की गई है और इसे 21 अगस्त 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी, भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, मंडल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, रजत अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान, ज्योति कोटिया, सुन्दर सिंह कोठाल, वंदना बिष्ट, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, सहित कई जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कमर्शियल सिलेंडर के दामों में वृद्धि का विरोध लोहाघाट विकास संघर्ष समिति का प्रदर्शन

लोहाघाट। सरकार के द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडरो में बेतहाशा वृद्धि का अब लोहाघाट में भी कड़ा विरोध होने लगा है। आज लोहाघाट विकास संघर्ष समिति ने समिति अध्यक्ष विपिन गोरखा के नेतृत्व में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में भारी वृद्धि पर आक्रोश जताते हुए गैस के दामों में कमी करने की मांग को लेकर लोहाघाट के रामलीला मैदान में जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। समिति अध्यक्ष विपिन गोरखा व संरक्षक प्रहलाद सिंह मेहता ने कहा सरकार के द्वारा19 किलो के कमर्शियल गैस सिलेंडर के 900 रुपए से अधिक तथा 5 किलो के सिलेंडर में 200 रूपये से अधिक की वृद्धि कर दी है। जिस कारण लोहाघाट नगर के स्ट्रीट फूड व्यापारी, होटल व्यवसाइ तथा मिठाई विक्रेता काफी परेशान है। लोहाघाट विकास संघर्ष समिति ने आरोप लगाते हुए कहा गैस के दामों की बढ़ोतरी के बावजूद भी व्यापारियों को प्रचुर मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं जिस कारण व्यापारी वर्ग काफी परेशान है। उन्होंने कहा कमर्शियल सिलेंडर के दामों में वृद्धि से आम जनता में महंगाई की मार पड़ेगी। व्यापारी अपने उत्पादों का दाम बढ़ाने को मजबूर है। लोहाघाट विकास संघर्ष समिति ने कहा वह सरकार के इस कदम का खराब विरोध करती है तथा सरकार से कमर्शियल गैस के सिलेंडरो के दामों में कमी करने तथा व्यापारियों को जनता को प्रचुर मात्रा में गैस उपलब्ध कराने की मांग की है। समिति ने कहा जिस हिसाब से सरकार चल रही है लगता है जल्द ही घरेलू रसोई गैस व डीजल पेट्रोल के दामों में भी बड़ी वृद्धि देखने में नजर आ सकती है। वही व्यापारी भी गैस के दामों मे बढ़ोतरी का कड़ा विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शन करने में संरक्षक प्रहलाद सिंह मेहता, राज किशोर शाह,लोकेश पांडे ,अजय गोरखा दीपक शाह सहित कई महिलाएं मौजूद रही।

बारात से लौट रही जीप खाई में गिरी युवक की मौत, तीन घायल

पिथौरागढ़। आज प्रात: लगभग 04.35 बजे मूनाकोट वड्डा से 12 किमी आगे झूलाघाट की ओर एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सूचना मिलते ही मुख्य आरक्षी प्रवेश नगरकोटी के नेतृत्व में एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।घटनास्थल पर पहुँचने के बाद टीम को पता चला कि एक कमांडर जीप (डीआई यूए05 5382) जिसमें 04 स्थानीय व्यक्ति सवार थे, बूरा गांव के समीप अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई थी। ये सभी व्यक्ति एक विवाह समारोह से वापस अपने घर की ओर लौट रहे

थे।स्थानीय निवासियों द्वारा पूर्व में ही 03 घायल व्यक्तियों को त्वरित रूप से खाई से निकालकर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया जबकि वाहन में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई। एसडीआरएफ टीम द्वारा अत्यंत दुर्गम परिस्थितियों में रेस्क्यू कार्य जारी रखते हुए मृतक के शव को स्ट्रेचर के माध्यम से गहरी खाई से सुरक्षित बाहर निकाला गया। टीम ने शव को मुख्य मार्ग तक पहुँचाकर वैधानिक कार्यवाही हेतु स्थानीय पुलिस के सुपुर्द किया गया।

घायल व्यक्तियों में जगदीश बिष्ट पुत्र चंचल बिष्ट उम्र (40) निवासी- बासौद मैनन, मोहन बिष्ट पुत्र रमेश सिंह उम्र (40) निवासी - बासौद, सचिन चंद स/0 मोहन चंद उम्र (22) निवासी - मुनकोट, मृतक की पहचान लक्की भंडारी पुत्र चंचल भंडारी उम्र (22) निवासी कोटभाल्डे के रूप में हुई है।

अवैध खनन पर कार्रवाई न होने पर हाईकोर्ट में लगाई जाएगी याचिका : आनंद मेहरा

लोहाघाट। कांग्रेस प्रदेश सचिव आनंद महरा ने चंपावत जिले के टनकपुर क्षेत्र में अवैध खनन के गंभीर आरोप लगाए है। प्रेस वार्ता में महरा ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा टनकपुर क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध खनन चल रहा है उनके द्वारा पूरे सबूत के साथ अवैध खनन की शिकायत प्रशासन से की थी कई बार पत्राचार भी किए और मौके पर जाकर जेसीबी भी उनके द्वारा पकड़वाई गई थी। पर उसके बावजूद अवैध खनन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। महरा ने कहा टनकपुर में दो स्टोन क्रेशर अवैध रूप से चल रहे हैं उनके द्वारा खनन विभाग से कई बार उनकी जांच करने की मांग की गई पर खनन विभाग जांच करने को तैयार तक नहीं है। खनन विभाग स्टोन क्रेशरो को वेध बता रहा है। उन्होंने कहा नियमों को ताक में रखकर स्टोन क्रेशर अस्पताल से मात्र 50 मीटर की दूरी पर संचालित किए जा रहे हैं उन्होंने कहा इन स्टोन क्रेशरो की वजह से ध्वनि व वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। आज प्रदेश में सरकार की सह पर बड़ी-बड़ी मशीनों से नदियों के सीने छलनी किए जा रहे हैं गांवो को बहाने की तैयारी की जा रही है। खनन व्यवसाई धड़ल्ले से अवैध खनन कर रहे हैं। महरा ने कहा उन्होंने चंपावत प्रशासन को एक हफ्ते का वक्त दिया था जिसमें तीन दिन बीत चुके हैं। महारानी चेतावनी देते हुए कहा अगर एक हफ्ते के भीतर अवैध खनन पर प्रशासन के द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो वह अवैध खनन के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे कहां उन्हें पूरा विश्वास है उन्हें हाई कोर्ट से न्याय जरूर मिलेगा और चंपावत जिले में अवैध खनन पर रोक लगेगी।

बारिश के बीच स्वाला क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्यो का डीएम ने किया निरीक्षण

चंपावत। स्वाला क्षेत्र में संचालित सड़क चौड़ीकरण एवं सुधार कार्यों की प्रगति एवं यातायात प्रबंधन का जायजा लेने हेतु जिलाधिकारी मनीष कुमार ने आज सोमवार को बारिश के बीच स्थलीय निरीक्षण कर सुधारीकरण कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सुधारीकरण कार्य की वर्तमान स्थिति, प्रगति, गुणवत्ता, तकनीकी मानकों तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य को तीव्र गति से पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए, जिससे आमजन को सुरक्षित एवं बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध हो सके।

बारिश के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने विशेष रूप से यातायात प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि कार्यों के दौरान किसी भी स्थिति में मार्ग अवरुद्ध न होने पाए। उन्होंने विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्र (हिल साइड) में बैंच निर्माण तथा डाउन साइड में सुरक्षा दीवार (सेफ्टी वॉल) के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क की मजबूती एवं यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चार दिन से लापता हरिद्वार का आरक्षी शव खाई से बरामद

अल्मोड़ा। पिछले चार दिनों से लापता चल रहे एक आरक्षी का शव गहरी खाई से बरामद किया गया। एसडीआरएफ की टीम ने दुर्गम परिस्थितियों में रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11:28 बजे भिकियासैंण थाने से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि भतरौजखान थाने में तैनात एक आरक्षी की कार मछोड़ क्षेत्र के पास गहरी खाई में गिरी दिखाई दी है। सूचना मिलते ही अपर उप निरीक्षक महिपाल सिंह के नेतृत्व में एसडीआरएफ टीम मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर टीम ने देखा कि हुंडई क्रेटा कार मुख्य सड़क से करीब 300 मीटर नीचे खाई में गिरी हुई थी। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच एसडीआरएफ टीम खाई में उतरी और तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान टीम को एक शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान आरक्षी 11 सीपी संजीव चौधरी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से शेरपुर, हरिद्वार के निवासी थे और वर्तमान में भतरौजखान थाने में तैनात थे। एसडीआरएफ टीम ने शव को खाई से बाहर निकालकर मुख्य मार्ग तक पहुंचाया और आगे की कार्रवाई के लिए जिला पुलिस को सौंप दिया। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक का माहौल है।

आशुतोष पुनेठा बने यूकेडी उद्योग प्रकोष्ठ केंद्रीय अध्यक्ष

लोहाघाट। उत्तराखंड में होने वाले 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर यूकेडी एक्शन मोड में नजर आ रही है। यूकेडी केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पढ़े लिखे व अनुभवी युवाओं को पार्टी से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में

यूकेडी केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती के द्वारा लोहाघाट निवासी युवा आशुतोष पुनेठा को पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए उन्हें उद्योग प्रकोष्ठ का केंद्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है। केंद्रीय अध्यक्ष कुकरेती ने कहा आज आशुतोष जैसे युवाओं की पार्टी व प्रदेश को सख्त जरूरत है। उनके उद्योग प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष बनने पर पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी तथा उनके अनुभव का लाभ जनता को मिलेगा विशेष कर युवा वर्ग को। कहा उन्हें पूरा विश्वास है आशुतोष पार्टी की मजबूती के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। आशुतोष को नई जिम्मेदारी दिए जाने पर यूकेडी पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है। तो वही उद्योग प्रकोष्ठ केंद्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर आशुतोष पुनेठा ने पार्टी हाई कमान को धन्यवाद देते हुए कहा पार्टी ने उन पर विश्वास कर जो यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है उसका वह पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा हमेशा पार्टी की मजबूती व जनहित के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा वह पार्टी की रीति नीति को अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाएंगे। कहा यूकेडी 2027 विधानसभा चुनाव को पूरे दमखम व मजबूती के साथ लड़ेगी। मालूम हो आशुतोष पुनेठा कई मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्य कर चुके है उनके इस अनुभव का लाभ युवाओं को मिल सकता है। वर्तमान में भी वह अपने गांव में फार्मिंग का कार्य कर रहे हैं। तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जन समस्याओं को प्रमुखता से उठाते रहते हैं।

तूफान ने मचाई तबाही कई भवनों की उड़ी छत लोगों ने भाग कर बचाई जान

चंपावत। जिले के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया। रविवार दोपहर को आए भीषण तूफान ने जिले के कई क्षेत्रों में काफी नुकसान पहुंचा है। जहा जिले के लोहाघाट क्षेत्र के पाटन पाटनी ग्राम सभा के विश्वकर्मा तोक में कई गौशालाओं की छठे उड़ गई तो वहीं एक भवन को काफी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा बाराकोट ब्लॉक के आली बिसराड़ी गांव में सोनू नाथ व गंगानाथ के भवनो की छत ताश के पत्तों की तरह उड़ गई। इसके अलावा ब्लॉक के तल्ला बापरू गांव में भी तीन भवनों की छत उड़ गई है। इस दौरान सभी परिवार अपने घर में मौजूद थे उनके द्वारा किसी तरह भाग कर जान बचाई गई तथा पड़ोसियों के घर में शरण ली गई है। तो वही रेगडू क्षेत्र में भी जनमिलन केंद्र की छत को भारी नुकसान पहुंचा है तो चामी में भी पेड़ गिरने से भगवती मंदिर की रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई हैं ।तड़ी गांव से भी बिजली के खंभे व पेड़ गिरने की सूचना आ रही है। तूफान से जहां कई पेड़ टूट कर धारासाई हो गए हैं तो कई जगह विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होने से कई गांव अंधेरे में डूब गए है।

सुतेड़ा चाचरी में कई गौशालाओं को भी काफी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल कहीं से किसी भी प्रकार की जनहानि वह पशु हानि की कोई खबर नहीं है। जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन स्थिति पर निगाहें बनाएं हुए है। प्रशासन सूचनाओं जताकर लोगों की मदद करने आगे आ रहा है। जिलाधिकारी चंपावत मनीष कुमार ने जनता से ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए सुरक्षित स्थानों में रहने की अपील की है तथा किसी भी प्रकार की घटना दुर्घटना होने पर तत्काल प्रशासन को सूचना देने को कहा है। जिलाधिकारी के द्वारा प्रशासनिक मशीनरी को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

लोहाघाट विकास संघर्ष समिति की नगर की समस्याओं को लेकर हुई अहम बैठक लिए गए कई निर्णय

लोहाघाट। लोहाघाट विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष विपिन गोरखा की अध्यक्षता एवं महासचिव लोकेश पांडे के संचालन में नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। समिति अध्यक्ष विपिन गोरखा ने जानकारी देते हुए बताया बैठक में सरयू लिफ्ट पेयजल योजना को लेकर जो आश्वासन दिया गया था उसमें क्या प्रगति हुई तथा नगर मे संभावित जल संकट को लेकर प्रशासन की क्या तैयारियां हैं इसको लेकर समिति स्थलीय निरीक्षण करेगी।लोहावती नदी को साफ करने के लिए समिति द्वारा जिलाधिकारी महोदय से हुई वार्ता के बाद जो धनराशि शासन द्वारा अवमुक्त की गई है उस पर आगे क्या कार्यवाही की जानी है। कहा संघर्ष समिति के अनुरोध पर जिलाधिकारी चम्पावत के सहयोग स्वीकृत चिड़ियाघर के निर्माण को धरमघर मे करवाने को लेकर शीघ्र डी0एफ0ओ0 चंपावत से मुलाकात ?की जाएगी। तथा लोहाघाट नगर पालिका परिषद कार्यालय के समीप बनी कार पार्किंग के संबंध में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी द्वारा नगर पालिका बोर्ड एवं संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के बीच वार्ता कराने का जो प्रस्ताव दिया गया था उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है अत: समिति इस मुद्दे पर पालिका कार्यालय में शीघ्र धरने पर बैठेगी। बैठक में रमेश बिष्ट ,राज किशोर शाह , भुवन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

हाईटेक निगरानी और सुरक्षा दीवार से सुरक्षित होंगे टनकपुर के गांव

एआई अलर्ट सिस्टम से अब पहले ही मिलेगी खतरे की चेतावनी

टनकपुर। क्षेत्र के ग्राम गैडाखाली नंबर-1 एवं ऊचौलीगोठ के ग्रामीणों द्वारा जंगली हाथी और अन्य वन्यजीवों से सुरक्षा की मांग को गंभीरता से लेते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार वन विभाग ने त्वरित और प्रभावी कदम उठाए हैं। जनभावनाओं को प्राथमिकता देते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार उप प्रभागीय वनाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर हाथियों की रोकथाम हेतु पत्थर की सुरक्षा दीवार के निर्माण के लिए उपयुक्त स्थलों का चयन कर शीघ्र प्राक्कलन प्रस्तुत किया जाए।वन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों द्वारा फसल या संपत्ति को हुए नुकसान की स्थिति में शासन के मानकों के अनुरूप त्वरित मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया को और अधिक गति दी गई है।क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए रेंज स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात किया गया है, जो 24 घंटे गश्त कर वन्यजीवों को आबादी से दूर रखने का कार्य कर रहा है।

साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनमें उन्हें सुरक्षित व्यवहार एवं वन क्षेत्रों में अनावश्यक प्रवेश से बचने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में बनाए रखने के उद्देश्य से जंगलों के भीतर स्थित वाटरहोल एवं जलकुंडों में टैंकरों के माध्यम से नियमित जल आपूर्ति की जा रही है, जिससे भोजन और पानी की तलाश में उनका आबादी की ओर रुख कम हो। उल्लेखनीय है कि गत वित्तीय वर्ष में विभाग द्वारा लगभग 13 किलोमीटर सोलर फेंसिंग की मरम्मत, नई फेंसिंग की स्थापना तथा सोलर स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था कर सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ किया गया है। इसी क्रम में हल्द्वानी वन प्रभाग द्वारा नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य से सटे संवेदनशील क्षेत्रों में 'एआई आधारित स्मार्ट सोलर पावर्ड वाइल्डलाइफ डिटेक्शन कैमरा' प्रणाली स्थापित की जा रही है।

यह अत्याधुनिक प्रणाली हाथियों जैसे बड़े वन्यजीवों की पहचान कर 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' के माध्यम से सायरन बजाकर ग्रामीणों को तत्काल सतर्क करती है। सौर ऊर्जा से संचालित यह तकनीक दूरस्थ क्षेत्रों में भी प्रभावी है तथा इसके जरिए वन अधिकारियों को मोबाइल एप एवं व्हाट्सएप के माध्यम से तुरंत सूचना प्राप्त होती है, जिससे समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।वर्तमान में ऊचौलीगोठ एवं गैडाखाली क्षेत्रों में इसका परीक्षण किया जा रहा है, जो भविष्य में मानव-वन्यजीव संघर्ष को न्यूनतम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा।

डोबाभागू अतखंडी सड़क में चहल कदमी करते हुए एक साथ दिखे चार-चार गुलदार दहशत

बाराकोट। चंपावत जिले के बाराकोट ब्लॉक की डोबाभागू अतखंडी सड़क में रविवार शाम को चार गुलदार एक साथ सड़क में चहल कदमी करते नजर आए। इस दौरान पूर्व प्रधान प्रतिनिधि दीपक तिवारी व अन्य युवाओं के द्वारा चहल कदमी करते गुलदारों को देखा गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि निर्मल कुमार व दीपक तिवारी ने बताया आज रविवार दोपहर को डोबाभागू अतखंडी सड़क मे तड़ीगांव में चार गुलदार चहल कदमी करते हुए नजर आए हैं जिनका युवाओं के द्वारा वीडियो भी बनाया गया है । उन्होंने बताया एक साथ चार-चार गुलदारो के दिखने से गांव में दहशत फैल गई है उन्होंने बताया चार गुलदारो के अलावा ग्रामीणों के द्वारा दो अन्य गुलदार भी क्षेत्र में देखे गए हैं। कहा इतनी बड़ी तादात में क्षेत्र में गुलदारों का होना खतरे से खाली नहीं है। गुलदार कभी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते है कहां गुलदार स्कूली बच्चों व महिलाओं के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। ग्रामीणों ने कहा डोबाभागू में चिड़ियाघर जैसे हालात पैदा हो गए हैं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि निर्मल कुमार व दीपक तिवारी सहित ग्रामीणों ने वन विभाग व प्रशासन से ग्रामीणों को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है फिलहाल मामले में संबंधित वन क्षेत्र अधिकारी से संपर्क नहीं हो पाया है। मांग करने मे गोविंद तिवारी, बछू तिवारी, रमेश राम, जगदीश तिवारी,कुंदन राम ,रमेश राम, मनोज कुमार आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

सीओ ने किया लोहाघाट थाने व फायर स्टेशन का किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने हेतु दिए कड़े निर्देश

लोहाघाट। सीओ चंपावत देवेन्द्र सिंह कप्रवाण ने थाना लोहाघाट एवं फायर स्टेशन लोहाघाट का आकस्मिक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का गहन जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तथा वर्ष 2025 एवं 2026 की लम्बित विवेचनाओं का ओ0आर0 लिया तथा वर्ष 2025 एवं 2026 की लम्बित विवेचनाओं का विवेचक वाइज ओ0आर0 लेते हुए विवेचनाओं का समयबद्ध निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान उन्होंने समस्त अधिकारी कर्मचारी गण द्वारा माहवार किए गए कार्यों की समीक्षा करने व समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु प्रभारी थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने समस्त अधिकारियो व कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। कर्मचारियों द्वारा सीओ को पानी की समस्या से अवगत कराए जाने पर उन्होंने तत्काल संबंधित विभाग से पत्राचार कर समस्या के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

इसके पश्चात उन्होंने थाना परिसर, मैस, मालखाना एवं अभिलेखों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान मालखाने में रखी सामग्री को सुव्यवस्थित रखने, सीसीटीएनएस में प्रगति रिपोर्ट को शत-प्रतिशत पूर्ण करने तथा पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित सभी पोर्टलों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीओ ने थाना क्षेत्र लोहाघाट की यातायात व्यवस्था में सुधार लाने पर विशेष जोर देते हुए आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती कर यातायात को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने फायर स्टेशन लोहाघाट एवं निर्माणाधीन भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ने निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता की सामग्री के उपयोग एवं कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रभारी फायर स्टेशन लोहाघाट को निर्देशित किया गया कि पानी के टैंकरों में पर्याप्त पानी सदैव उपलब्ध रहे, ताकि आपात स्थिति में बिना विलम्ब त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करने हेतु प्रेरित करते हुए जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

बारिश के बीच स्वाला क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

चंपावत। स्वाला क्षेत्र में संचालित सड़क चौड़ीकरण एवं सुधार कार्यों की प्रगति एवं यातायात प्रबंधन का जायजा लेने हेतु जिलाधिकारी मनीष कुमार ने आज सोमवार को बारिश के बीच स्थलीय निरीक्षण कर सुधारीकरण कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सुधारीकरण कार्य की वर्तमान स्थिति, प्रगति, गुणवत्ता, तकनीकी मानकों तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य को तीव्र गति से पूर्ण किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए, जिससे आमजन को सुरक्षित एवं बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध हो सके। बारिश के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने विशेष रूप से यातायात प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि कार्यों के दौरान किसी भी स्थिति में मार्ग अवरुद्ध न होने पाए। उन्होंने विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्र (हिल साइड) में बैंच निर्माण तथा डाउन साइड में सुरक्षा दीवार (सेफ्टी वॉल) के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क की मजबूती एवं यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यूकेडी देगी हर घर से एक नौजवान को रोजगार: काशी

यूकेडी ने जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का किया विरोध

पिथौरागढ़। उत्तराखंड क्रांति दल के शीर्ष नेता, पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर उनकी सरकार प्रदेश के हर परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देगी। इस बार लोगों में स्वयं यह भावना जागृत हुई है कि उन्हें सत्ता में बदलाव चाहिए। जनता भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ बदलाव चाहती है। भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ केवल उत्तराखंड क्रांति दल ही सशक्त विकल्प बन सकता है। वही विकल्प बनने की हमारी तैयारी चल रही है। पूरे प्रदेश में हमारी टीम, नौजवान साथी पार्टी से जनता को जोड़ रहे हैं।

हमने घर घर चर्चा घर घर पर्चा का कार्यक्रम शुरू किया है। हमारी टीम घर घर जाकर जनता से मिल रही है। हमारे नौजवानों को रोजगार की बहुत जरूरत है। स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं मिलता है तभी वे पलायन करते हैं। काशी सिंह ऐरी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन के वक्त से हमारी परिकल्पना थी कि उत्तराखंड राज्य बनेगा तो हम प्रदेश के नौजवानों को स्वरोजगार और स्थानीय स्तर पर रोजगार देंगे। जिससे उन्हें बाहरी प्रदेशों को और महानगरों को पलायन करने के लिए मजबूर न होना पड़े। जो राज्य गठन के अब तक के 26 वर्षों में नहीं हो पाया है। सत्ता में आने पर उत्तराखंड क्रांति दल की सरकार की पहली प्राथमिकता होगी कि हम नौजवानों को उनके गृहक्षेत्र में ही रोजगार दें।

हर घर से एक नौजवान को हम सरकारी नौकरी जरूर देंगे। यह हमारा संकल्प है। यह हमारा वादा है। उन्होंने कहा कि यूकेडी जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की धुर विरोधी रही है। जब सन 2002 और 2004 के बीच में परिसीमन हुआ था हमने तब भी इसका जबरदस्त विरोध किया था और आज भी हम इसका विरोध करेंगे। अंडमान निकोबार, लेह लद्दाख आदि जगह केंद्र सरकार ने भौगोलिक आधार पर परिसीमन किया था। भारत का संविधान भी इसकी इजाजत देता है। रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल्स एक्ट में इसका प्रावधान है। सरकार चाहे तो भौगोलिक आधार पर परिसीमन कर सकती है। हम उसी की लड़ाई लड़ेंगे। हम चाहते हैं कि परिसीमन के बाद हमारे पर्वतीय क्षेत्र की सीटें न घटें और पर्वतीय क्षेत्र को लोकसभा और विधानसभा में पूरा प्रतिनिधित्व मिले। पिथौरागढ़ के वर्तमान विधायक मयूख महर के कार्यों के बारे में प्रश्न पूछने पर उन्होंने कहा कि उनके कार्यों और उपलब्धियों की समीक्षा जनता करेगी। हम तो उत्तराखंड का भविष्य कैसे बेहतर होड़ उत्तराखंड में भाजपा कांग्रेस ने राज्य गठन के इन 26 वर्षों में क्या किया हैड़ किस तरह से लूट मचाई हैड़ किस तरह से भ्रष्टाचार बढ़ा है इन सारे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

यूकेएसएससी ने प्रवक्ता भर्ती परीक्षा स्थगित की, अभ्यर्थियों की मांग पर लिया फैसला

देहरादून। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने 9 और 10 मई को प्रस्तावित प्रवक्ता (विशेष अधीनस्थ शिक्षा) भर्ती परीक्षा को स्थगित करने का निर्णय लिया है। अभ्यर्थियों की लगातार उठ रही मांग और परीक्षा तिथियों के टकराव को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

दरअसल, प्रस्तावित परीक्षा तिथि के दिन ही उत्तर प्रदेश में भी एक बड़ी प्रतियोगी परीक्षा आयोजित होनी थी। इससे बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अभ्यर्थियों ने इस मुद्दे को लेकर संगठित तरीके से विरोध दर्ज कराया और परीक्षा तिथि आगे बढ़ाने की मांग की।

इस अभियान में संगीता शाह के नेतृत्व में अभ्यर्थियों ने लगातार अपनी आवाज बुलंद की, जिसके बाद आयोग ने स्थिति पर विचार करते हुए परीक्षा स्थगित करने का निर्णय लिया।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल परीक्षा को स्थगित किया गया है और नई तिथि जल्द ही आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से घोषित की जाएगी। परीक्षा स्थगित होने के फैसले से अभ्यर्थियों को राहत मिली है, खासकर उन उम्मीदवारों को जो दोनों परीक्षाओं में शामिल होना चाहते थे।

तहसील दिवस बना औपचारिकता, अधिकारी नदारद,पार्षदों का धरना

हल्द्वानी। माह में एक बार आयोजित होने वाला तहसील दिवस अब सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया है। आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए बनाए गए इस मंच पर अब सुनवाई न होने से लोगों में भारी नाराज़गी देखने को मिल रही है।

आज हल्द्वानी तहसील में आयोजित तहसील दिवस के दौरान अधिकांश अधिकारी अनुपस्थित रहे। अधिकारियों के लगातार गायब रहने से फरियादियों को बिना सुनवाई के लौटना पड़ा, जिससे आक्रोश और बढ़ गया। इसी मुद्दे को लेकर आज दो पार्षद अपने समर्थकों के साथ तहसील परिसर में धरने पर बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसील दिवस जैसे महत्वपूर्ण जनसुनवाई कार्यक्रम को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिससे जनता की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। पहले तहसील दिवस में राशन कार्ड, बिजली, पानी, सड़क, जैसी छोटी-छोटी समस्याओं का निस्तारण किया जाता था अब इस दिवस को या तो अधिकारी भूलने लगे हैं या फिर कार्य निष्पादन करने की नियत नहीं रख रहे हैं। अगर किसी अधिकारी को अन्य कार्यों पर व्यस्त रहना होता है तो अधीनस्थ अधिकारियों को इस दिवस पर उपस्थित होकर जनता की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

धरने पर बैठे पार्षदों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि तहसील दिवस ही एक ऐसा मंच है, जहां वे सीधे प्रशासन के सामने अपनी समस्याएं रख सकते हैं, लेकिन अधिकारियों की अनुपस्थिति से उनकी उम्मीदें टूट रही हैं। पार्षदों ने कहा कि यदि जिलाधिकारी को समय नहीं मिल पाता है तो एसडीएम को मौके पर आना चाहिए। या तहसीलदार की मौजूदगी में तहसील दिवस कम से कम मनाया जाय। ताकि जनता की समस्याएं दूर हो सकें।

जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

चंपावत। लंबे समय से मांगे पूरी न होने पर शिक्षकों में आक्रोश फैल गया है लोहाघाट मे जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष रमेश देव ने कहा कि संगठन द्वारा विगत कई वर्षों से शिक्षकों की लंबित 13 सूत्रीय मांगों के संदर्भ में सरकार ,शासन व विभाग से लगातार वार्ता की जारी है परंतु अभी तक शिक्षकों की सभी लंबित मांगों का निस्तारण नहीं हुआ है जिस कारण प्रदेश संगठन द्वारा पांच चरणों में चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है । देव ने बताया प्रथम चरण में 01 मई 2026 से 10 मई 2026 तक प्रदेश के सभी शिक्षक बाएं हाथ में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करेंगे द्वसरे चरण में 12 मई 2026 को प्रदेश के समस्त ब्लाक कार्यकारिणी द्वारा उप जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन दिए जाएंगे। तृतीय चरण में 18 मई 2026 को जनपद मुख्यालय में धरना देकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। चतुर्थ चरण में 29 मई 2026 को प्रदेश के सभी शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा निदेशालय में धरना दिया जाएगा तथा पंचम चरण 8 जून 2026 को देहरादून परेड ग्राउंड से शिक्षक एवं शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा एक विशाल रैली निकालकर सचिवालय पहुंच कर धरना प्रदर्शन कर प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं देश के प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा ।

आउटसोर्स और अस्थायी कर्मचारियों के वेतन बढ़ाने की मांग

अल्मोड़ा। नगर निगम में कार्यरत आउटसोर्स, अस्थायी कर्मचारियों और पर्यावरण मित्रों को संशोधित दरों के अनुसार वेतन दिए जाने की मांग को लेकर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने सोमवार को महापौर को ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रदेश महामंत्री राजपाल पंवार ने ज्ञापन में कहा कि भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की ओर से 30 मार्च 2026 को जारी आदेश के तहत कामगारों के मूल्य सूचकांक में संशोधन किया गया है। इसके तहत वेतन दरों में बढ़ोतरी का प्रावधान किया गया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि नगर निगम देहरादून में 29 अप्रैल को हुई बोर्ड बैठक में अस्थायी कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी को लेकर प्रस्ताव पारित किया जा चुका है। संघ ने मांग की है कि नगर निगम अल्मोड़ा में भी देहरादून की तर्ज पर आउटसोर्स और अस्थायी कर्मचारियों सहित पर्यावरण मित्रों का वेतन बढ़ाकर 827 रुपये प्रतिदिन किया जाए। इसके लिए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव लाने की मांग की गई है। राजपाल पंवार ने कहा कि वेतन बढ़ोतरी से कर्मचारियों को महंगाई के दौर में राहत मिलेगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

उत्तराखंड स्टेट मुए-थाई चैंपियनशिप में अल्मोड़ा ने जीते 13 पदक

अल्मोड़ा। ऋषिकेश में आयोजित उत्तराखंड स्टेट मुए-थाई चैंपियनशिप-2026 में अल्मोड़ा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन मुए-थाई एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के तत्वावधान में किया गया। अल्मोड़ा के खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 7 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 13 पदक अपने नाम किए। माही बिष्ट, रजनी नेगी और प्रखर सिजवाली ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं मन्नत, तनुश्री लटवाल, कनिका सिजवाली, योगेश सिंह, नितीश कुमार, तनुज लोहनी और सौरव सिंह ने रजत पदक प्राप्त किए। हर्षित भैसोड़ा, प्रियांशी गिनवाल और आदित्य बिष्ट ने कांस्य पदक हासिल किए। टीम कोच यशपाल भट्ट ने बताया कि 1 और 2 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय मुए-थाई चैंपियनशिप में अल्मोड़ा के 14 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उत्तराखंड स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरमैन कुलदीप सिंह बुटोला ने पदक और टी-शर्ट देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर जिलाधिकारी अंशुल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सतीश जोशी, जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या, अरुण बंग्याल, ओलंपिक संघ के सचिव गोपाल खोलिया, नीलेश जोशी, खेल विभाग के कोच कुंदन सिंह, कोच कमल जोशी, भारती लटवाल, ममता बिष्ट, स्मिता जोशी , विवेकानंद बालिका विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य गोदावरी चतुर्वेदी, दीप्ती पांडेय समेत कई लोगों ने बधाई दी।

जर्जर स्कूल भवन बना खतरा, छत से गिर रहा मलबा

धौलछीना (अल्मोड़ा)। भैसियाछाना विकासखंड के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय तल्ला सेराघाट में भवन की जर्जर स्थिति के चलते बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है। विद्यालय की छत से लगातार सीमेंट, रेत और कंकड़ के टुकड़े गिर रहे हैं, जिससे बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों में भय का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाल ही में हुई अत्यधिक बारिश के कारण भवन की हालत और अधिक खराब हो गई है। कक्षाओं के अंदर फर्श पर गिरे मलबे और पानी भरने से पढ़ाई का माहौल प्रभावित हो रहा है। कई स्थानों पर छत और बीम में दरारें साफ दिखाई दे रही हैं, जो किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य शैलजा चम्याल द्वारा जिलाधिकारी अल्मोड़ा को पत्र भेजकर विद्यालय भवन की दयनीय स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है। पत्र में बताया गया है कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे और शिक्षक डर के साये में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। बरसात के मौसम में यह खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल भवन का जल्द निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत या नए भवन के निर्माण की व्यवस्था की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

होनहार ललिता आर्या का राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

लोहाघाट। राजकीय प्राथमिक विद्यालय पाटन पाटनी की छात्रा ललिता आर्या ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ी सफलता हासिल करते हुए राजीव गांधी नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि से विद्यालय एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ललिता आर्या के पिता श्री दिवान राम एवं माता श्री विजयलक्ष्मी देवी ने अपनी पुत्री की इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि ललिता शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही है और नियमित रूप से परिश्रम करती रही है। विद्यालय परिवार ने भी छात्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। प्रधानाचार्य विनिता महरा, शिक्षक शंकर सिंह अधिकारी, श्रीनिवास ओली सहित समस्त स्टाफ ने ललिता को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के शिक्षकों का कहना है कि ललिता की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वह भविष्य में भी इसी तरह अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करती रहेंगी।

असम, पुडुंचेरी, पश्चिम बंगाल मे भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर आतिशबाजी

मिष्ठान खिलाकर मनाया जश्न, विधायक बोले पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत प्रधानमंत्री के करिश्माई नेतृत्व का परिणाम

रुद्रपुर। पांच राज्यों के 4 मई को आये परिणाम मे जहाँ पुडुचेरी असम व बहुचर्चित पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सुनामी नजर आयी।

तो वही तीनो राज्यों मे भारतीय जनता पार्टी एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक विजय पर रुद्रपुर विधायक शिव अरोड़ा के कार्यालय पर विधायक के नेतृत्व कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा जहां उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत पर मिष्ठान वितरण किया वह जमकर आतिशबाजी कर ढोल नगाड़ों पर डांस कर भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय का जश्न मनाया।

इस दौरान शिव अरोरा ने कहाँ असम, पुंडुचेरी,पश्चिम बंगाल मे भारतीय जनता पार्टी की अस्मरणीय विजय ने सबित कर दिया देश की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व के साथ है उन्होंने कहा यह विजय उन विपक्षियों के मुंह पर तमाचा है जो देश में तुष्टिकरण राजनीति में विश्वास रखते हैं वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के गुंडो के तिलिस्म अराजकता को समाप्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने एक तरफा प्रचंड विजय का परचम जो लहराया है उसके लिए बंगाल के लाखों कार्यकर्ता का अथक परिश्रम व मेहनत का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और भाजपा के बूथ अध्यक्ष से लेकर संगठन के एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत का परिणाम है जो बंगाल में गुंडाराज और आए दिन लोगों सरेआम मर जाना इस प्रकार की घटनाएं सुर्खियों में रहते थे अब उसपर अंकुश लगेगा,तो वही इस बार बंगाल का हिंदू जाग उठा है उसने प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी को विजय दिलाई है जो बताता है कि टीएमसी और वह उनकी जिहादी मानसिकता के गुंडो की अराजकता से बंगाल त्राहि त्राहि कर चुका था तो वहीं शांतिपूर्ण हुए मतदान व ऐतिहासिक मतदान जो अपने आप में रिकॉर्ड दर्ज हुआ यह बताता है कि भारतीय जनता पार्टी का स्वर्ण युग की शुरुआत से बंगाल की शांति बंगाल के विकास अब बंगाल में गुंडाराज को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

निश्चित रूप से विधायक शिव अरोरा ने कहा यह जीत कई माइनो में विशेष है इसमें असम में हमने तीसरी बार सरकार बनाने का कार्य किया पुंडुचेरी में भी भाजपा गठबंधन दोबारा से जीता तो वहीं पश्चिम बंगाल में आजादी के बाद से पहली बार भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल में बनने जा रहा है यह करोड़ो कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का विषय है वहीं भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य श्याम प्रसाद मुखर्जी ने जिस पश्चिम बंगाल की कल्पना की थी और उनके अथक प्रयास व परिश्रम के कारण पश्चिम बंगाल राज्य मिला था, उनके सपनों और आदर्शों का पश्चिम बंगाल बनाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल मे बनने वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार आने वाले समय में करेगी। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में भी गुंडाराज अराजकता को नेस्तानाबूत करने का कार्य किया जाएगा जहां पश्चिम बंगाल का आम नागरिक स्वतंत्रता से व शांतिपूर्ण अपना जीवन व्यतीत कर पाए। विधायक शिव अरोरा बोले तीनों राज्यों की जीत से रुद्रपुर भाजपा के कार्यकर्ताओं में भरी जोश वह उत्साह नजर है आज कार्यालय पर आए सैकड़ो की संख्या में आये कार्यकताओं आतिशबाजी मिष्ठान खिलाकर आज उनके साथ जीत का जश्न मनाया,निश्चित रूप से आने वाले उत्तराखंड राज्य के विधानसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार जीत का परचम लहराएगी और रुद्रपुर विधानसभा भी ऐतिहासिक मतों से हम पुन: जीत हासिल करेंगे।पश्चिम बंगाल चुनाव में चर्चा में आई झालमुड़ी की दीवानगी रुद्रपुर विधायक शिव अरोड़ा के कार्यालय पर भी नजर आई विधायक शिव अरोरा ने कार्यकर्ताओं संग झालमुड़ी खाकर जीत के जश्न का इजहार किया और सभी कार्यकर्ताओं ने झामुड़ी खाकर एक दूसरे को जीत की बधाई दी आपको बता दे झालमुडी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान चर्चा में आई थी जिसका आज रुद्रपुर में भी पश्चिम बंगाल में जीत के बाद लोगों में खूब दीवानगी नजर आई।इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, पूर्व पालिका अध्यक्ष मीना शर्मा, अनिल शर्मा, शालनीं बोरा, रश्मि रस्तोगी, उपेंद्र चौधरी, प्रीत ग्रोवर, जगदीश विश्वास, धीरेश गुप्ता, राजेश बजाज, के के दास, हिमांशु शुक्ला, मीना शर्मा, पुष्पा ग्रोवर, राधेश शर्मा, जीतेन्द्र संधू, गीता भरद्वाज,संदीप राव, गणेश सरकार, सतनाम सिंह, मोर सिंह, दिलीप अधिकारी संजय हलदार, इंद्रपाल चौधरी, राजीव शुक्ला, आयुष चिलाना, मनमोहन वाधवा, रोबिन विश्वास, शिवकुमार राय, अखिल विश्वास, एसपी यादव, मनोज मदान, रेनू जुनेजा, एमपी मौर्य, वेद ठुकराल, संजय हलदार, विपुल गईन, केपी राठी, सुनील सिंह, विक्की वाल्मीकि नमन चावला, अरुण दीक्षित, हरीश मित्तल, डी के गंगवार, कैलाश राठौर, राजेश कामरा, नरेश उप्रेती, राज कोली, पियूष भाटिया, विकास सागर, वीरेंद्र तिवारी, दीपक दिवाकर, मयंक कक्कड़, डंपी चोपडा, रवि दिवाकर, आदेश भरद्वाज, मनोज कर, भीमसेन गुप्ता,विष्णु सिंह, तोसीन खान, परवेज खान आदि लोग मौजूद रहें।

रुद्रपुर। पश्चिम बंगाल, पांडिचेरी (पुडुचेरी) और असम में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं प्रचंड जीत के उपलक्ष्य में आज रुद्रपुर स्थित भाजपा जिला मंत्री एडवोकेट प्रमोद मित्तल के कार्यालय पर भव्य रूप से मिष्ठान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला तथा सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। ढोल-नगाड़ों की धुन और आतिशबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने नृत्य कर अपनी खुशी का इजहार किया। कार्यालय परिसर पूरी तरह से उत्सव के माहौल में नजर आया।इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री एडवोकेट प्रमोद मित्तल ने कहा कि यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी जनकल्याणकारी नीतियों और मजबूत निर्णय क्षमता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिस पर जनता ने अपना भरोसा जताया है।उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और रणनीतिक कौशल की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में पार्टी निरंतर सशक्त हो रही है और देशभर में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है।

उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रहे श्री नितिन नवीन जी के योगदान की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके जैसे समर्पित और कर्मठ नेताओं के प्रयासों से संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह विजय भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, समर्पण और संगठन की मजबूती का भी परिणाम है। कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया, जिसके कारण जनता ने भाजपा को अपना आशीर्वाद दिया।इस अवसर पर समाजसेवी सुरेंद्र अदलखा, अशोक गांधी, रवि अग्रवाल, मनोज कुमार, कुलदीप कुमार, सुनील कुमार थे।

बागेश्वर। पश्चिम बंगाल और असम राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद पहली बार विपक्षी दल को पटखनी देने के बाद भाजपाई नेता गदगद है।चुनाव नतीजे आते ही भाजपाई जश्न मनाने लगे।एसबीआई तिराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में मिली प्रचंड बहुमत की जीत पर उत्साह के साथ जश्न मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की और नारेबाजी की। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा,साथ ही आतिशबाजी भी की गई। जश्न मनाते हुए केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा ने जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह जनसमर्थन और मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और देश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु उन पर देशवासियों द्वारा किए गए भरोसे का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की मेहनत से यह सफलता मिली है।भाजपा विश्व का सबसे बड़ा सँगठन है। कहा1कि तानाशाही की प्रवृति पर भय का माहौल दिखाकर हमेशा बंगाल को अपनी मुट्ठी में समझने वाली ममता बनर्जी सरकार को जनता ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया है।इस मौके पर बागेश्वर विधायक पार्वती दास,कपकोट विधायक सुरेश गड़िया, जिपं अध्यक्ष शोभा आर्य,भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभा गड़िया, दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट,भाजपा जिला महामंत्री संजय परिहार,व घनश्याम जोशी, गरुड़ मंडल इकाई अध्यक्ष सुनील दोसाद, विधायक प्रतिनिधि भाष्कर दास, भाजयुमो जिलाध्यक्ष आदर्श कठायत, मनोज ओली, नगर अध्यक्ष विवेक तिवारी, हरीश मेहरा, ज्येष्ठ प्रमुख मनीष कुमार,धीरेंद्र परिहार, पंकज मेहता समेत कई लोग मौजूद रहे।

लोहाघाट। पश्चिम बंगाल में भाजपा की शानदार जीत पर आज चंपावत जिले में भाजपा ने जीत का शानदार जश्न मनाया है। सोमवार को चंपावत मुख्यालय में जहां भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया तो वही लोहाघाट में नगर मंडल अध्यक्ष गिरीश कुवर के नेतृत्व मे भाजपा पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओं ने बंगाल विजय का जश्न मनाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा यह बंगाल की जनता व सनातन धर्म की जीत है । बंगाल की जनता ने ममता शासन को बुरी तरह ठुकरा दिया है। लोहाघाट के पूर्व भाजपा विधायक पूरन सिंह फर्त्याल व भाजपा नेताओं ने बंगाल ,असम व पांडिचेरी की जनता को जीत की शुभकामनाएं दी है। पूर्व विधायक फर्त्याल ने कहा बंगाल की जीत का अपना अलग ही आनंद है कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ,भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में भाजपा ने जनता के सहयोग से ममता की तानाशाह सरकार को उखाड़ कर फेंक दिया है बंगाल में भगवा लहरा कर कमल खिलाया है।वह बंगाल की जनता को विशेष तौर पर बधाई व धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने कहा आज एक तानाशाह सरकार से जनता को मुक्ति मिली है। कहा आने वाले दिनों में भी जिन राज्यों में चुनाव होने हैं वहां भी भाजपा का परचम लहराएगा । पूर्व विधायक फर्त्याल व भाजपा नेताओं ने कहा वह इस शानदार जीत के लिए बंगाल की जनता के साथ-साथ पूरे देश की जनता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह,भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हैं। खुशी जताने में भाजपा प्रदेश मंत्री निर्मल महरा ,पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र ढेक,राजू गढ़कोटी, दीपक फर्त्याल ,कैलाश पांडे, सुभाष बगोली, दीपक फर्त्याल, अनिल जोशी, चंद्रशेखर बगोली, मनीष फर्त्याल, राम सिंह , मंडल अध्यक्ष राकेश बोरा सहित कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा की तीन राज्यों में शानदार जीत पर लधिया घाटी में जीत का जश्न

चंपावत। पश्चिमबंगाल, असम और पांडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर रीठा साहिबमंडल के भारतीय जनतापार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान वितरण एवं आतिशबाजी कर जीत की बधाई एवं शुभकामनाए दी। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सतीश पांडे ने कहा यह जीत पूरे देश की जनता के साथ सत्य व न्याय की जीत है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने बंगाल में शानदार जीत हासिल कर कमल खिला दिया है। उन्होंने कहा बंगाल की जनता ने साबित कर दिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सत्य के साथ खड़े हैं। उन्होंने इस शानदार जीत के लिए समस्त क्षेत्र वासियों को देश की जनता को बधाई दी है। कहां आज ममता की तानाशाह सरकार धराशाई हो गई है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष जगदीश बोहरा ,महामंत्री दीपेंद्र कुल्याल , युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मुकेश मेहता ,पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश भट्ट ,दीपक बिनवाल ,प्रदीप जोशी ,राजेंद्र कुल्याल ,मोहन जोशी ,गजेंद्र बोहरा ,शंकर दत्त बिनवाल ,विक्रम बोहरा ,शिवदत्त जोशी आदि ज्येष्ठ श्रेष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

किसानों को राहत में देरी नहीं, एक हफ्ते में क्षतिपूर्ति करे सुनिश्चित : डीएम

आपदा प्रबंधन में राजस्व कर्मियों की जिम्मेदारी तय, हर आपदा पर तत्काल निरीक्षण त्वरित राहत के निर्देश

चंपावत। जनपद में विगत दिवसों में हुई भारी वर्षा के कारण काश्तकारों की फसलों को हुए नुकसान के परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित कृषकों को राहत प्रदान करने में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा एक सप्ताह के भीतर सभी पात्र काश्तकारों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की हर स्थिति में प्रशासन की प्राथमिकता प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में वर्षा से हुए फसल नुकसान का गंभीरता से आकलन करते हुए प्रभावित काश्तकारों का शत-प्रतिशत चिन्हांकन सुनिश्चित करें। उन्होंने इस प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध ढंग से संचालित करने पर विशेष बल दिया, ताकि कोई भी पात्र कृषक राहत से वंचित न रह जाए।जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि क्षतिपूर्ति वितरण के लिए एक सुदृढ़ एवं प्रभावी मैकेनिज्म विकसित किया जाए, जिससे राहत राशि सीधे एवं शीघ्रता से लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे अपने स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करते हुए फसल नुकसान के आकलन एवं मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को गति दें तथा प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करें।

आपदा प्रबंधन को लेकर जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि आपदा की किसी भी घटना चाहे वह दीवार गिरने, मकान क्षति, पेड़ गिरने या अन्य किसी प्रकार की हानि से संबंधित हो की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित राजस्व कर्मी तत्काल मौके पर पहुंचकर निरीक्षण (मुआयना) करना सुनिश्चित करें।

समयबद्ध एवं त्वरित कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी ने स्पष्ट दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक पटवारी अपने कार्यक्षेत्र में 6 घंटे के भीतर, संबंधित तहसीलदार 12 घंटे के भीतर तथा उपजिलाधिकारी 24 घंटे के भीतर घटनास्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी को गंभीरता से लिया जाएगा। मानव हानि की स्थिति को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसी स्थिति में संबंधित उपजिलाधिकारी एक घंटे के भीतर मौके पर पहुंचकर तत्काल राहत एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में तेजी लाने पर भी विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपदा की स्थिति में पूर्ण सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तथा प्रभावितों को राहत पहुंचाने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी कृष्ण नाथ गोस्वामी, उपजिलाधिकारी विपिन पंत, उपजिलाधिकारी नीतू डागर सहित जनपद के समस्त तहसीलदार, कानूनगो एवं पटवारी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्य पर उठे सवाल, तीन- चार महीने में ही क्षतिग्रस्त हुई दीवार, सड़क भी बदहाल

अल्मोड़ा। जिले के धौलादेवी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बुद्धिमन्या से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जिसने सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां कुछ ही महीनों पहले बनाई गई सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है, जबकि गांव को जोड़ने वाली सड़क भी बदहाल स्थिति में पहुंच चुकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 3 मई 2026 को हुई लगातार बारिश के कारण गांव को जोड़ने वाला मोटर मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि, प्रशासन द्वारा 4 मई को मार्ग को अस्थायी रूप से आवागमन के लिए खोल दिया गया, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2026 की शुरुआत में लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्य सड़क के ऊपर एक सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण कार्य के दौरान मशीनों से निकाली गई मिट्टी और छोटे पत्थर सीधे सड़क पर डाल दिए गए, जिससे मार्ग को नुकसान पहुंचा।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह दीवार महज 3 से 4 महीनों के भीतर ही क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या की सूचना विभाग के कनिष्ठ अभियंता रवि धामी को पहले ही दे दी थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद 16 अप्रैल 2026 को उत्तराखंड सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। वर्तमान हालात यह हैं कि सड़क पर अब भी मिट्टी और छोटे पत्थर फैले हुए हैं, जिससे हल्की बारिश में भी मार्ग अवरुद्ध होने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग और संबंधित ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो सड़क की सफाई और मरम्मत का कार्य समय पर पूरा नहीं हो पाएगा। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित विभाग इस मामले को गंभीरता से लेकर जल्द समाधान करेगा, या फिर ग्रामीणों को इसी तरह परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

बजट के अभाव में दम तोड़ रही सिंचाई योजनाएं

धौलछीना (अल्मोड़ा)। भैंसियाछाना विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम सभा लिंगुड़ता और डुंगरलेख में सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे स्थानीय काश्तकारों के सामने रोजी-रोटी का गहरा संकट खड़ा हो गया है। जिला पंचायत सदस्य, सल्ला भाटकोट शैलजा चम्याल ने जिलाधिकारी अल्मोड़ा को इस संबंध में पत्र भेजकर सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि लिंगुड़ता-मंगलता सिंचाई योजना की पाइप लाइन ध्वस्त होने से करीब 3 हजार नाली, रैयत-लिंगुड़ता योजना की गुल क्षतिग्रस्त होने से 8 सौ नाली और डुंगरलेख की पार की टानी सिंचाई गूल योजना ठप होने से 500 नाली से अधिक उपजाऊ भूमि बंजर होने की कगार पर है। विभाग बार-बार बजट के अभाव का रोना रोकर पल्ला झाड़ लेता है, जबकि दूसरी ओर नदी किनारे अनावश्यक चेकडैम बनाने के टेंडर निकाले जा रहे हैं जिनका किसानों को सीधा लाभ नहीं मिल रहा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इन सिंचाई नहरों और पाइप लाइनों को जल्द दुरुस्त नहीं किया गया तो किसान खेती छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे, जिससे क्षेत्र में पलायन का खतरा और बढ़ जाएगा। जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी से इन महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए तत्काल बजट आवंटित कर इन्हें सुचारू करने की मांग की है।

औषधि विभाग की मेडिकल स्टोरों में छापेमारी

टनकपुर। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन देहरादून से प्राप्त आदेशों के अनुपालन में तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशानुसार, चम्पावत जिले में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अवैध औषधियों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत टनकपुर एवं बनबसा के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे मीना बाजार, कैनाल रोड और रेलवे क्रॉसिंग स्थित मेडिकल प्रतिष्ठानों पर औषधि निरीक्षक हर्षिता द्वारा औचक निरीक्षण की प्रभावी कार्रवाई की गई।निरीक्षण के दौरान कुल 05 खुदरा एवं थोक मेडिकल स्टोरों की गहनता से जांच की गई। इस जांच प्रक्रिया में मुख्य रूप से ड्रग लाइसेंस की वैधता, मन:प्रभावी (नशीली) औषधियों के स्टॉक की स्थिति, क्रय-विक्रय रिकॉर्ड, कैश मेमो, सीसीटीवी कैमरों के संचालन और उनकी बैकअप रिकॉर्डिंग का बारीकी से मिलान किया गया। सघन जांच के दौरान मीना बाजार बनबसा स्थित एक मेडिकल प्रतिष्ठान में अनियमितताएं प्रकाश में आईं, जिसमें मुख्य रूप से सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध न होना और औषधियों के क्रय-विक्रय बिलों का उचित सत्यापन न कर पाना शामिल था। इन कमियों को जनस्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानते हुए औषधि निरीक्षक द्वारा संबंधित प्रतिष्ठान का क्रय-विक्रय रोक दिया गया है। औषधि निरीक्षक हर्षिता ने सभी मेडिकल फर्म स्वामियों को कड़ी चेतावनी देते हुए लाइसेंस की शर्तों का अक्षरश: अनुपालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी संचालक नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के सुसंगत प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान संदेह के आधार पर 05 औषधियों के नमूने भी लिए गए हैं, जिन्हें गुणवत्ता परीक्षण हेतु राजकीय विश्लेषणशाला प्रेषित कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा अवगत कराया गया है कि नशे के विरुद्ध जनपद में इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

जनपद में सघन चेकिंग अभियान

चंपावत । एस पी रेखा यादव के निर्देश पर जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने, अपराधों की रोकथाम तथा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने हेतु जनपद पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर बैरियर लगाकर वाहनों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच की जा रही है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है, साथ ही हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग एवं नशे में वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।पुलिस टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि रखते हुए चेकिंग की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को रोका जा सके। चंपावत पुलिस ने जनता से यातायात नियमों का पालन करने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

डम्पर ने श्रमिक को कुचला

देहरादून। राजधानी देहरादून के कांवली रोड पर आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, एक लोडेड डंपर ने सड़क पर पैदल जा रहे श्रमिक को कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि व्यक्ति ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। मृतक व्यक्ति बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है जो यहां मजदूरी का काम करता था। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और जोरदार प्रदर्शन किया।

इस दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और गुस्से में आकर आसपास लगे होर्डिंग और पोस्टर भी फाड़ दिए। प्रदर्शन के चलते कांवली रोड पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया और लोगों को शांत कराया। अधिकारियों का कहना है कि फरार चालक की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने और सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की है।

निराश्रित पशुओं के कारण सड़कों पर बड़े हादसे : गाबा

रूद्रपुर। विगत रात्रि निराश्रित गौवंशीय की टक्कर के बाद हाईवे से आ रहे ट्रक की चपेट में आकर ग्राम अलखदेवा निवासी नौजवान तथा आस्था इलेक्ट्रॉनिक में हैवेल्स द्यश्व4द्गस्र कंपनी के कर्मचारी के रूप में कार्यरत परविंदर सिंह उर्फ पिंदर मक्कड़ पुत्र रंजीत सिंह, उम्र 35 वर्ष की दुखद मृत्यु हो गयी। इससे क्षेत्र में शोक के साथ ही गुस्से की लहर भी दौड़ गयी है। बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के मध्य में लहुलुहान क्षत विक्षत शव होनें से बड़ी संख्या में लोग मध्य रात्रि में ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकत्र हो गये, बाद में बड़े बुजुर्गों के समझानें और शव के पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम हाउस पहुंचानें के बाद ही यातायात सामान्य हो सका। सामाजिक कार्यकर्ता सुशील गाबा नें पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मृतक के परिजनों व क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। युवाओं नें निराश्रित गौवंशीय पशुओं के कारण अनेकों मौतों पर गहरा रोष जताते हुये कहा कि इस समस्या का स्थायी निदान होना अत्यन्त आवश्यक है। सामाजिक कार्यकर्ता सुशील गाबा नें कहा कि वाकई निराश्रित पशुओं के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों, लिंक मार्गों पर गंभीर यातायात खतरों की स्थिति पैदा हो गयी है। दिन हो या रात, हमेशा सडक पर चलनें वाले दोपहिया सवारों की जान हथेली पर होती है।

सम्पादक: लक्ष्मण सिंह बिष्ट

सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं स्वामी **लक्ष्मण सिंह बिष्ट** द्वारा (मोती सिंह) भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिंटिंग प्रेस भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी से मुद्रित तथा मीना बाजार आदर्श कालोनी लोहाघाट, चम्पावत, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। मो. 8273030231

E-mail. laxmanbisht909@gmail.com